

# Living the LOTUS

Buddhism in Everyday Life

2  
2018

VOL. 149



Founder's Essay

## ‘सफलता’ और ‘असफलता’

किसी को भी असफल होना पसंद नहीं है, लेकिन क्या नहीं युवाओं में अधिकतर लोग विफलता से डरते हैं और वे कुछ नहीं करते हैं, और कुछ भी हासिल नहीं कर सकते हैं? यदि आप चीजों की शुरुआत से पहले ही परिणामों के बारे में चिंतित हैं तो आप कभी भी कुछ भी करने में सक्षम नहीं होंगे।

किसी भी मामले में, सबसे पहले इसे अपना सबसे अच्छा प्रयास दें और देखें कि क्या होता है, और यदि आप जिन परिणामों की आशा कर रहे हैं, वह नहीं मिले, तो आप एक और कोशिश कर सकते हैं। शाक्यमुनि बुद्ध ने भी ऐसा ही किया। छह सालों तक उन्होंने कठोर तपस्या का पालन किया, जो कि उनके जीवन से सालों ले सकते थे, लेकिन जब उन्हें एहसास हुआ कि वह ज्ञान का मार्ग नहीं था तो उसे त्याग दिया।

हमें लगता है कि यह बहुत बड़ी असफलता है अगर कोई किसी विश्वविद्यालय से स्नातक होने की परेशानियाँ लेता है मगर वह उसकी उन्नति में योगदान नहीं देता है। लेकिन, जब तक आप कॉलेज

में कई वर्षों तक काम नहीं करते हैं, आप यह कहने की स्थिति में नहीं हैं कि क्या यह समय की बर्बादी है या नहीं। इस दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं है जो बेकार है या समय की बर्बादी है, क्योंकि सफलता इन विफलताओं का दूसरा पहलू है। शाक्यमुनि बुद्ध का ज्ञान उन छः वर्षों के बिना अप्राप्य होता जब उन्होंने अपने जीवन में कठिन तपस्या साधना का जोखिम उठाया।

जो हमारी आँखों में सफलता या असफलता की तरह दिखता है वह एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। असफलता के अपमान के माध्यम से हम जो सबक सीखते हैं, हम उसे कभी नहीं भूल पाते। अगर हम सब कुछ को अपना श्रेष्ठ देते हैं, तो हमारी असफलताओं को सफलता मिलेगी, और अगर हम अपनी सफलताओं पर घमंड करते हैं तो विफलता हमारा इंतजार करती है।

From *Kaisozuikan* 9 (Kosei Publishing Co. 1997), pp. 88–89

Living the Lotus  
Vol. 149 (February 2018)

Senior Editor: Koichi Saito  
Editor: Eriko Kanao  
Copy Editor: Parmita Shekhar

*Living the Lotus* is published monthly  
by Rissho Kosei-kai International,  
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,  
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.  
TEL: +81-3-5341-1124  
FAX: +81-3-5341-1224  
Email: [living.the.lotus.rk-international](mailto:living.the.lotus.rk-international)

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

### जीवन एक गंभीर विषय है

निचिको निवानो  
प्रेसिडेण्ट, रिशशो कोसेइ काइ



### गंभीरता से जीना

इस महीने का विषय “जीवन एक गंभीर विषय है।” प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के प्रारंभ से “जन्म, जरा, व्याधि और मृत्यु” के क्रम को किसी भी बिंदु पर देखा जा सकता है। यह सिवाय गंभीर घटना के अलावा कुछ भी नहीं है। हम सभी गंभीर जीवन जी रहे हैं, यद्यपि हम आम तौर पर इसके बारे में अनजान हैं। इसलिए हम यह कह सकते हैं कि जीवन को गंभीर बनाने की कुंजी स्पष्ट रूप से इस तथ्य को जानना और इस सच्चाई के बारे में जागरूकता के साथ जीना है।

हालाँकि, “गंभीरता” का शब्दकोश में अर्थ “एक गंभीर भावना, चरित्र, या मुखमण्डल; गंभीर या बड़ा गुणी, गंभीर, विस्मयकारी, गुरुत्वाकर्षण” है। क्या हम हमेशा इस तरह के हवा को बनाए रख सकते हैं? हम महसूस करते हैं कि संभवतः इस तरह के कठोर औपचारिकता के साथ नहीं जी सकते हैं। अवश्य, इसलिए किसी ने सबसे आसान समझने योग्य शब्दों में कहा है कि “गंभीर जीवन जीने का अर्थ है, अनित्यता को ध्यान में रखकर वर्तमान क्षण का अधिक से अधिक उपयोग करना है।” सजग रहकर जीवन जीना महत्वपूर्ण है, उसका एक दिन, एकल घंटा, या यहाँ तक कि एक मिनट या एक क्षण जो आँखों के सामने है, उसे व्यर्थ नहीं गवाँना है।

इस प्रकार की समझ मानसिक स्थान पैदा करती है और इसलिए आपकी भावनायें विश्रान्त, शान्त, एवं कोमल बन जाती हैं, और आप अपने आसपास के लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण ढंग से मिल सकते हैं और उनके साथ आनंद ले सकते हैं। ऐसे समय के संचय को हर्षमय और गंभीर जीवन कहा जा सकता है।

जेन मास्टर इक्क्यू (1394-1481) ने एक बौद्ध कविता छोड़ दी है जो इस प्रकार है:

मेरी इच्छा, मेरे मरने के बाद/  
बुद्ध बनने की नहीं है/  
बल्कि, मेरे पास अभी भी जीवन है,  
मैं एक अच्छा आदमी बनना चाहता हूँ।

जैसा कि कविता में सुझाव दिया गया है, सच को देखते हुए, अगले विश्व में जाने के बाद सम्मानित होने की प्रतीक्षा करने के बजाय, हम पहले से ही अब इस सहालोक में प्रतिष्ठित जीवन जी रहे हैं, तो हम निश्चित रूप से दिन प्रतिदिन आगे बढ़ते रहेंगे। जैसा कि मैं हमेशा कहता हूँ, क्योंकि हम सभी में बुद्ध स्वभाव है, कोई भी सत्य को जान सकता है। यदि आप स्वीकार करते हैं कि “यह सहालोक पूर्व से ही शांत प्रकाशमय भूमि है,” तो आप अपने जीवन को गंभीर, सम्मानित रूप से आगे बढ़ाते रखेंगे।



## अपने मन के स्विच को ऑन करना

शिक्षिक योशियो तोई (1912-1991), जिन्होंने कई उत्कृष्ट बौद्ध कवितायें लिखी हैं, एक प्राथमिक विद्यालय के प्राचार्य थे। एक दिन उन्होंने एक कक्षा में चिपकाया हुआ निम्नलिखित सूचना देखी:

“यह वास्तव में ठंडा हो गया है,  
लेकिन बिस्तर पर लगातार पड़े रहना नहीं है /  
कैसा रहेगा स्विच ऑन करना, और एक ‘पॉप’ के साथ उठना /  
अपने दिमाग में क्लिक और पॉप के साथ उठना? /  
बस ‘क्लिक’ के साथ स्विच ऑन होता है और ‘पॉप’ रोशनी लाता है,  
चलो हर सुबह का ‘क्लिक’ और ‘पॉप’ के साथ शुरुआत करना हैं।”

(इनोची नो ओशिए [जीवन पर शिक्षण], कोसेइ प्रकाशन, 1992)

अभी, हम वर्ष के सबसे ठंडे समय में हैं, और जब मुझे लगता है कि हम सभी के लिए, मन में आने की कुछ ऐसी संभावना है, यह “क्लिक और पॉप” कई अलग-अलग परिदृश्यों में उपयोगी हो सकता है। अपने मन के स्विच ऑन करने की कोशिश करना ठीक है, जब आप किसी चीज के विरोध में हैं और निर्णय लेने में असमर्थ हैं, यह आपके दैनिक जीवन में सच्चाई का पता पाने में आपकी मदद कर सकता है।

प्रातः जब आप बौद्धधर्मानुयायी हैं और घर की वेदी के समक्ष प्रार्थना करते हैं, जब आप घर से बाहर स्कूल या कार्यालय या धर्म केंद्र जाते हैं, या जब आप “शुभ प्रभात” कहते हैं, या लोगों के साथ शुभकामनाओं का आदान प्रदान करते हैं, क्यों नहीं आप ऐसा हर दिन प्रत्येक घटना के अवसर पर करते हैं और इसे “आपने मन के स्विच को ऑन करने” का अवसर बनाते हैं ताकि मन में सत्य का विद्युतीय प्रवाह प्रवाहित होने लगे। ऐसा करने से, “सत्यता का दीपक” आपकी भावना को उत्प्रेरित करता रहेगा और “आज का पूरा दिन, आप उन लोगों की देखभाल करेंगे जो आपके सामने आते हैं और अपने समय का सदुपयोग करेंगे” और यह “पॉप” के साथ आपके मन को रोशनी देता है। आरिगातो एक जापानी शब्द है जो आरिगाताइ से आया। है और आभार प्रकट करने के भाव को व्यक्त करता है। यह इस यथार्थ सत्य का प्रतीक है कि हम “अब और यहाँ विद्यमान हैं” और इसलिए यह उचित समय है कि हम अपने मन के स्वीच को ऑन करें जिससे सत्य गहरे प्रतिबिम्बित होता है। जब हम इसे अपनी आदत बना लेते हैं, तब यदि हम सजग नहीं भी हैं, फिर भी हमारा दैनिक जीवन स्वाभाविक रूप से प्रतिष्ठित होगा।

निर्वाण में प्रवेश करने से पूर्व शक्यामुनि ने कहा, “प्रत्येक वस्तुएँ परिवर्तित हो रही हैं। असावधान बने बिना, अभ्यास में अध्यवसायी रहें।” निर्वाण में शाक्यमुनि के प्रवेश की वर्षगाँठ पर, मुझे आशा है कि हम अपने विचारों को शाक्यमुनि के मन की ओर निर्देशित करेंगे, जिन्होंने अध्यवसायी रह कर अभ्यास करने के लिए प्रेरित करने के हेतु, आसन्न मृत्यु का सामना करते हुए भी, फिर से अनित्यता का उपदेश किया।

From Kosei, February 2018.



# The 7 Parables of the Lotus Sutra

## औषधीय जड़ी-बूटी का दृष्टांत

सद्धर्मपुण्डरीक सूत्र का 5 वाँ परिवर्त

ऐसा एक बहुत ही गर्म दिन पर हुआ, सूरज की रोशनी तेज थी और जमीन सूखी हुई थी। फिर, एक घना बादल पूरे आकाश में फैल गया और पूरे विश्व को ढक लिया। उसी तरह सर्वत्र हर जगह वर्षा हुई। संसार भर में विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे थे। वर्षा से उन सभी पर समान रूप से जल गिरा और संसार में सर्वत्र पृथ्वी जल से सिक्त हो गई।



बड़े, मध्यम आकार के, और छोटे पेड़ थे; जड़ी बूटी और अन्य प्रकार के पौधे थे; उनकी जड़ें, डंठल, शाखाएँ, पत्ते, फूल और फलों को समान रूप से वर्षा का आशीर्वाद मिला, और स्पष्ट रूप से चमक आ गई। यद्यपि उन्हें एक ही बादल से निष्पक्षभाव से वर्षा का जल मिला, लेकिन उनके नमी लेने की मात्रा उनके आकार और प्रकार के अनुसार भिन्न थी। एक बड़े पेड़ को बहुत अधिक नमी की जरूरत होती है, जबकि एक छोटी जड़ी-बूटियों की थोड़ी सी की जरूरत होती है। उनमें से प्रत्येक अपनी प्रकृति के अनुरूप बढ़ता और परिपक्व होता, खिलता, और फल देता है।

जंगल में एक बड़े पेड़ की अपनी भूमिका है, और ऐसी ही एक छोटे पेड़ की है। एक छोटा पेड़ एक बड़ा एक से निम्न कोटि का नहीं है। सभी पेड़ और पौधे अपनी सहजात कोटि के अनुसार अपना पूर्ण जीवन जीते हैं। प्रत्येक की भूमिका से सबका जीवन चल रहा है। जैसा कि हर कोई अपनी भूमिका निभाता है, तभी तो, सम्पूर्ण संसार का अस्तित्व है।



## व्याख्या

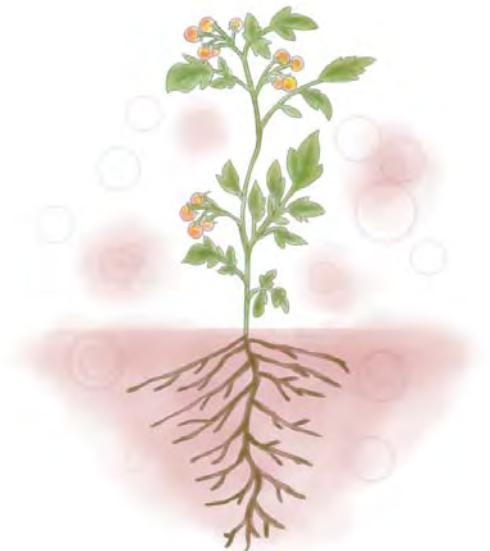
तेज सूर्य के प्रकाश से जमीन सूखी है, हम चिंताओं और विभिन्न प्रकार के दुखों के साथ जी रहे हैं। विशाल बादल बुद्ध का प्रतीक है, और आशीर्वाद रूप वर्षा उनकी धर्मदेशनाओं का प्रतीक है। जैसा कि सभी पेड़ और पौधे वर्षा का इंतजार करते हैं, हम अपने मन की प्यास बुझाने का इंतजार करते हैं। विशाल बादल के रूप में बुद्ध ने पूरे संसार को आच्छादित किया और सब पर समान रूप से धर्मदेशना की वर्षा होती है। जैसेकि सभी लोगों की प्रवृत्ति और क्षमताएँ अलग-अलग हैं, और वे जिन परिस्थितियों में पले बढ़े हैं, वे अलग-अलग हैं, उनकी शिक्षा दीक्षा भी अलग-अलग तरीकों से हुई है। लेकिन वे सभी अपनी क्षमताओं के अनुरूप बढ़ सकते हैं।

जड़ों पौधों और पेड़ों के महत्वपूर्ण भाग विश्वास के प्रतीक है। क्योंकि हमारे पास विश्वास है, हम शीलों या नियमों का पालन कर सकते हैं। जो लोग बुद्ध की शिक्षा में शरण लेते हैं उन्हें पालन करना चाहिए। शीलों का पालन समाधि की अवस्था में अग्रसर करता है और हम सत्यता पर ध्यान लगा सकते हैं, विचलित नहीं होते हैं। जैसे ही हम ध्यान की अवस्था में प्रवेश करते हैं, हम परमार्थ ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। हालाँकि उनकी जड़ें मजबूत हो सकती हैं, पौधे अंततः मर जाते हैं यदि उनकी शाखाएँ और पत्तियाँ सूख जाती हैं, या यदि उनके डंठल कट जाते हैं। धार्मिक अभ्यास विश्वास के साथ प्रारंभ होता है, और शीलों और ध्यान की परिणति ज्ञान में होती है, और इन सभी चार पहलुओं का होना किसी धार्मिक अभ्यास के लिए अनिवार्य है।

जैसेकि पेड़ों और पौधों के आकार में अंतर है, वैसे ही मनुष्यों की प्रकृति और क्षमताओं में विविध प्रकार के अंतर हैं। भले ही हमारे मतभेद पृथ्वीय हैं, यदि हम अपनी क्षमताओं के अनुसार प्रदर्शन करते हैं, तो हमारा अस्तित्व उदात्त होगा। जब आप किसी अपने पेड़ से बड़े पेड़ को देखते हैं तो आपमें हीन भाव आना नहीं चाहिए। हम उन्हीं पेड़ों और पौधों की तरह हैं जो एक ही मिट्टी से बढ़ते हैं, और हम सभी एक साथ जीवन यापन करते हैं। बुद्ध की महान करुणा से हमारा जीवन निरंतर चल रहा है। हम सब में एक दूसरे से आधारभूत अंतर नहीं हैं, हम सभी एक समान हैं।

इसमें स्वयं का एक अर्थ है, सभी लोगों की आकृत और क्षमताएँ अलग-अलग हैं, जबकि सभी को बुद्ध द्वारा समान रूप से जीवन मिला है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि हमें जीवन में कैसी भूमिका निभानी है। अपनी सम्पूर्ण क्षमता के अनुरूप संसार में हमारी भूमिका बोधिसत्व चर्या का अभ्यास करना है, जो इस दृष्टांत में फूलों के रूप में दर्शाया गया है।

Editorial Supervision by Chuo Academic Research Institute



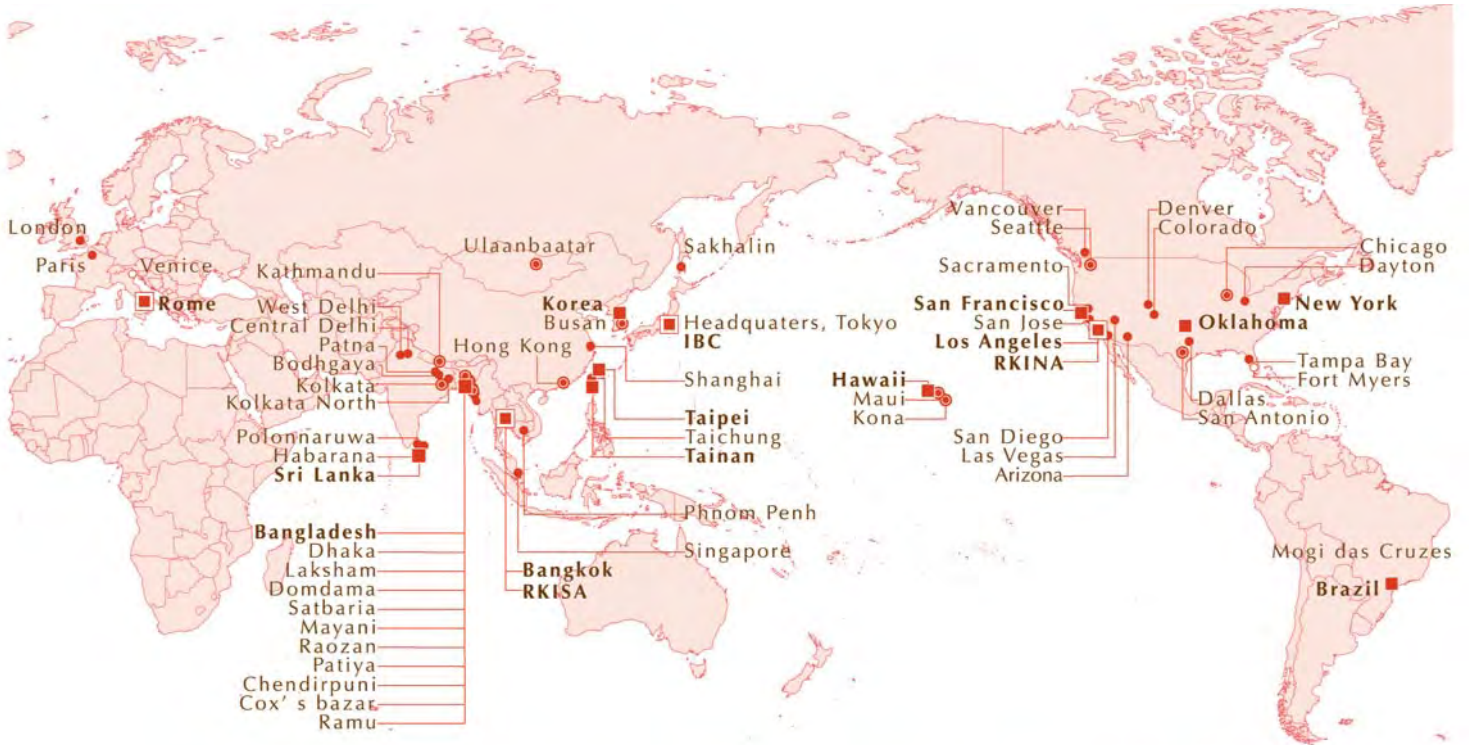


## सच्चे और स्वतंत्र विश्वास की ओर

जब वार्षिक मध्यशीतकालीन सूत्रपाठ समाप्त हो चुका है, आपमें से बहुत सारे लोग महसूस कर सकते हैं कि एक नया वर्ष वास्तव में प्रारंभ हो गया है। मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारा मन और शरीर शुद्ध हो गया है, और हम समेकित त्रिविध पुण्डरीक सूत्र का पाठ करते हुए नव वर्ष का संकल्प लेने में सक्षम हैं। यह उत्तम होगा, यदि हमारे मन में हमारा उद्देश्य है, जब हम धार्मिक अनुष्ठान में भाग ले रहे हैं।

नव वर्ष के संदेश में, प्रेसिडेंट निवानो ने हमें एकाग्रता के साथ एक उद्देश्य पर काम करने के महत्व को सिखाया है। हमें एक उद्देश्य को लेकर प्रयास करना चाहिए, और उसे प्राप्त कर लेने बाद, हमें एक नया उद्देश्य हाथ में लेना चाहिए। ऐसी पुनरावृत्ति पुनर्जागरण या निरंतर सृजन की प्रक्रिया है, जो एक सच्चे और स्वतंत्र आस्था की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। मेरी इच्छा है कि हमारे मन में हमेशा एक उद्देश्य हो, और हमें प्रति दिन जिन चीजों से सामना होता है, उन्हें नये उत्साह के साथ रचनात्मक ढंग से कार्यान्वित करना चाहिए।

रेबेन्ट कोईची साइतो  
निदेशक, रिशो कोसेइ काइ इंटरनेशनल



## 🌸 RISSHO KOSEI-KAI INTERNATIONAL BRANCHES 🌸

✉ We welcome comments on our newsletter *Living the Lotus*: [living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp](mailto:living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp)

# Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers

# 2018

## **Rissho Kosei-kai International**

Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan  
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

## **Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)**

2707 East First Street Suite #1 Los Angeles CA 90033 U.S.A.  
Tel: 1-323-262-4430 Fax: 1-323-262-4437  
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

## **Branch under RKINA**

### **Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center**

28621 Pacific Highway South, Federal Way,  
WA 98003 U.S.A.  
Tel: 1-253-945-0024 Fax: 1-253-945-0261  
e-mail: rkseattlewashington@gmail.com  
http://buddhistlearningcenter.org/

### **Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio**

6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.  
P.O. Box 692148, San Antonio, TX 78269, USA  
Tel: 1-210-561-7991 Fax: 1-210-696-7745  
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com  
http://www.rkina.org/sanantonio.html

### **Rissho Kosei-kai of Tampa Bay**

2470 Nursery Road, Clearwater, FL 33764, U.S.A.  
Tel: (727) 560-2927 e-mail: rktampabay@yahoo.com  
http://www.buddhismtampabay.org/

### **Rissho Kosei-kai of Vancouver**

## **Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii**

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.  
Tel: 1-808-455-3212 Fax: 1-808-455-4633  
e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

### **Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center**

1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.  
Tel: 1-808-242-6175 Fax: 1-808-244-4625

### **Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center**

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona,  
HI 96740 U.S.A.  
Tel: 1-808-325-0015 Fax: 1-808-333-5537

## **Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles**

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.  
Tel: 1-323-269-4741 Fax: 1-323-269-4567  
e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

### **Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**

**Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**  
**Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**  
**Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**  
**Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

## **Rissho Kosei-kai of San Francisco**

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.  
Tel: 1-650-359-6951 Fax: 1-650-359-6437  
e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

**Rissho Kosei-kai of Sacramento**  
**Rissho Kosei-kai of San Jose**

## **Rissho Kosei-kai of New York**

320 East 39th Street, New York, NY 10016 U.S.A.  
Tel: 1-212-867-5677 Fax: 1-212-697-6499  
e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

### **Rissho Kosei-kai of Chicago**

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056 U.S.A.  
Tel: 1-773-842-5654 e-mail: murakami4838@aol.com  
http://home.earthlink.net/~rkchi/

### **Rissho Kosei-kai of Fort Myers**

http://www.rkftmyersbuddhism.org/

## **Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma**

2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112 U.S.A.  
Tel & Fax: 1-405-943-5030  
e-mail: rkokdc@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

### **Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver**

1255 Galapago Street, #809 Denver, CO 80204 U.S.A.  
Tel: 1-303-446-0792

### **Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton**

425 Patterson Road, Dayton, OH 45419 U.S.A.  
http://www.rkina-dayton.com/

## **Rissho Kosei-kai do Brasil**

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,  
CEP 04116-060 Brasil  
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377  
Fax: 55-11-5549-4304  
e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

### **Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes**

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,  
CEP 08730-000 Brasil  
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377

## **Rissho Kosei-kai of Taipei**

4F, No. 10 Hengyang Road, Zhongjheng District,  
Taipei City 100 Taiwan  
Tel: 886-2-2381-1632 Fax: 886-2-2331-3433  
http://kosei-kai.blogspot.com/

### **Rissho Kosei-kai of Taichung**

## **Rissho Kosei-kai of Tainan**

No. 45, Chongming 23rd Street, East District,  
Tainan City 701 Taiwan  
Tel: 886-6-289-1478 Fax: 886-6-289-1488

### **Rissho Kosei-kai of Pingtung**

## **Korean Rissho Kosei-kai**

6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea  
Tel: 82-2-796-5571 Fax: 82-2-796-1696  
e-mail: krkk1125@hotmail.com

### **Korean Rissho Kosei-kai of Busan**

3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea  
Tel: 82-51-643-5571 Fax: 82-51-643-5572

#### Branches under the Headquarters

##### **Rissho Kosei-kai of Hong Kong**

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,  
North Point, Hong Kong, Republic of China

##### **Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

15F Express tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,  
Ulaanbaatar 15160, Mongolia  
*Tel:* 976-70006960 *e-mail:* rkkmongolia@yahoo.co.jp

##### **Rissho Kosei-kai of Sakhalin**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk  
693005, Russian Federation  
*Tel & Fax:* 7-4242-77-05-14

##### **Rissho Kosei-kai di Roma**

Via Torino, 29-00184 Roma, Italia  
*Tel & Fax :* 39-06-48913949 *e-mail:* roma@rk-euro.org

##### **Rissho Kosei-kai of the UK**

##### **Rissho Kosei-kai of Venezia**

##### **Rissho Kosei-kai of Paris**

#### **International Buddhist Congregation (IBC)**

Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan  
*Tel:* 81-3-5341-1230 *Fax:* 81-3-5341-1224  
*e-mail:* ibcrk@kosei-kai.or.jp <http://www.ibe-rk.org/>

#### **Rissho Kosei-kai of South Asia Division**

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang  
Bangkok 10310, Thailand  
*Tel:* 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218

#### **Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)**

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang  
Bangkok 10310, Thailand  
*Tel:* 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218  
*e-mail:* thairissho@csloxinfo.com

#### Branches under the South Asia Division

##### **Rissho Kosei-kai of Central Delhi**

224 Site No.1, Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi,  
110060, India

##### **Rissho Kosei-kai of West Delhi**

66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka, New Delhi 110075, India

##### **Rissho Kosei-kai of Kolkata**

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

##### **Rissho Kosei-kai of Kolkata North**

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,  
West Bengal, India

##### **Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center**

Ambedkar Nagar, West Police Line Road  
Rumpur, Gaya-823001, Bihar, India

##### **Rissho Kosei-kai of Kathmandu**

Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,  
Kathmandu, Nepal

##### **Rissho Kosei-kai of Phnom Penh**

#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,  
Phnom Penh, Cambodia

##### **Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center**

##### **Rissho Kosei-kai of Singapore**

#### **Thai Rissho Friendship Foundation**

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang  
Bangkok 10310, Thailand  
*Tel:* 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218 *e-mail:* info.thairissho@gmail.com

#### **Rissho Kosei-kai of Bangladesh**

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh  
*Tel & Fax:* 880-31-626575

##### **Rissho Kosei-kai of Dhaka**

House#408/8, Road#7(West), D.O.H.S Baridhara,  
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh  
*Tel:* 880-2-8413855

##### **Rissho Kosei-kai of Mayani**

Mayani(Barua Para), Post Office: Abutorab, Police Station: Mirshari,  
District: Chittagong, Bangladesh

##### **Rissho Kosei-kai of Patiya**

Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

##### **Rissho Kosei-kai of Domdama**

Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

##### **Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar**

Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar, Bangladesh

##### **Rissho Kosei-kai of Satbaria**

Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

##### **Rissho Kosei-kai of Laksham**

Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,  
Bangladesh

##### **Rissho Kosei-kai of Raozan**

West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

##### **Rissho Kosei-kai of Chendirpuni**

Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

##### **Rissho Kosei-kai of Ramu**

#### **Rissho Kosei Dhamma Foundation, Sri Lanka**

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka  
*Tel:* 94-11-2982406 *Fax:* 94-11-2982405

##### **Rissho Kosei-kai of Habarana**

151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

##### **Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa**

#### **Other Groups**

##### **Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**